Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–310

B.A. (Part–III) (NC) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I

(आधुनिक काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर सीमा **50** शब्द) :

   (i) 'शम्बूक' किसका प्रतीक है ?

   (ii) कवि ने 'शम्बूक' के माध्यम से किसका चित्रण किया है ?

   (iii) 'पेशोल की प्रतिध्वनि' से किस प्रेरणा का संदेश मिलता है ?

   (iv) 'एक तारा' कविता में विचार अधिक, अनुभूति कम। स्पष्ट कीजिए।

(v) ''जो बीत गई सो बात गई मानो वह बेहद प्यारा था''

—उक्त पंक्ति किसकी है ?

(vi) 'असाध्य वीणा' कविता के अंत में साधक क्या कहता है ? कविता की मूल संवेदना क्या है ?

(vii) धूमिल की कविताओं का मुख्य विषय क्या है ?

(viii) 'रेत में नहाया है मन' कविता में सौन्दर्य के नये मानदंडों को बताइए।

(ix) छायावादी कवियों ने मानवतावादी आदर्श से प्रेरणा लेकर नारी के साथ न्याय किया है। रचना एवं रचनाकारों नाम द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(x) विकलांग विमर्श पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

2. इस सिरे से उस सिरे तक दूर
नित्य छितराती उषा सिंदूर
भूमि का अक्षय अनन्त सुहाग
राग से ही जागता अनुराग
चाँदनी उतरी धरा पर
श्वेत रेशम-पंख फैलाये
आँख जैसा पात्र छोटा
कौन कितना रूप पी पाये

3. लोकनायक वही
संवेदना का मर्म समझे
धर्म और अधर्म समझे
कर्म और अकर्म समझे
लोकनायक वही
जो विश्वास अर्जित कर सके
प्रत्येक का
और जो सारी प्रजा के
चित्त का प्रतिरूप हो

लोकनायक वह नहीं
जो विधि-अविधि की
बात करने से डरे
दण्डनायक भूप हो।

4. शांत, स्निग्ध, ज्योत्स्ना उज्ज्वल!
अपलक, अनंत, नीरव, भूतल।
सैकत शय्या पर दुग्ध धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी है श्रांत, क्लांक, निश्चल!
तापस बाला गंगा निर्मल, शशि-मुख से दीपित मृदु करतल,
लहरे उर पर कोमल कुंतल।
गोरे अंगों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुंदर,
चंचल अंचल-सा नीलांबर!
साड़ी की सिकुड़न जिस पर, शशि की रेशमी विभा से भर,
सिमटी हैं वर्तुल, मृदुल लहर!

5. जिस गम्भीर मधुर छाया में-
विश्व चित्र-पट चल माया में-
विभुता विभु-सी पड़े दिखाई,
दुख-सुख वाली सत्य बनी रे।
श्रम-विश्राम क्षिति-वेला से
जहाँ सृजन करते मेला से-
अमर जागरण उषा नयन से-
बिखराती हो ज्योति घनी रे।

6. दिवसावसान का समय,
मेघमय आसमान से उतर रही है।
वह सन्ध्या-सुन्दरी परी-सी
धीरे-धीरे-धीरे।
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,

मधुर-मधुर हैं दोनों उसके अधर-

किन्तु जरा गम्भीर, नहीं है उनमें हास-विलास।

हँसता है तो केवल तारा एक

गुँथा हुआ उन घुँघराले काले-काले बालों से,

हृदय-राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।

7. कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

8. अम्बर में कुन्तल-जाल देख,

पद के नीचे पाताल देख,

मुट्ठी में तीनों काल देख,

मेरा स्वरूप विकराल देख।

सब जन्म मुझी से पाते हैं,

फिर लौट मुझी में आते हैं।

खण्ड-स

नोट :- निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **500** शब्द)।

9. 'शम्बूक' खण्डकाव्य में पौराणिक घटना के आधार पर आधुनिक समस्याओं का चित्रण किया गया है। स्पष्ट कीजिए।

10. 'अग्निपथ' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

11. प्रगतिवादी चेतना के कवि धूमिल की कविता से संबंधित विचार स्पष्ट कीजिए।

12. रस के अर्थ एवं उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।